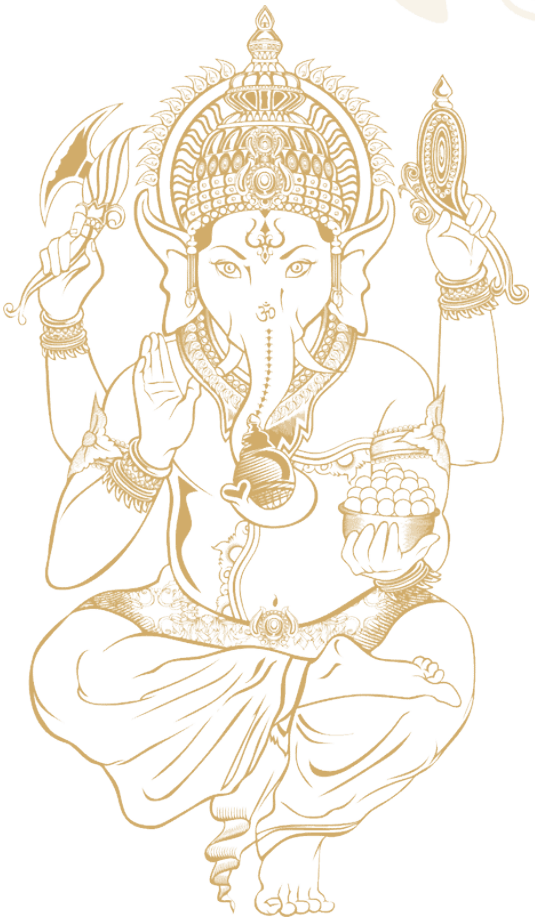

Ketki

11 Feb 2014

10:10 PM

Howrah

Model: web-freekundliweb

Order No: 119819503

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/02/2014**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**22:10:00 घंटे**
इष्ट	39:56:37 घटी
स्थान	**Howrah**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	22:35:00 उत्तर
रेखांश	88:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:33:20 घंटे
वेलान्तर	-00:14:15 घंटे
साम्पातिक काल	07:59:59 घंटे
सूर्योदय	06:11:21 घंटे
सूर्यास्त	17:30:43 घंटे
दिनमान	11:19:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	28:49:06 मकर
लग्न के अंश	03:27:19 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	प्रीति
करण	बालव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केसरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:27:19	326:45:59	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मक	28:49:06	01:00:40	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	22:48:12	11:50:56	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल			तुला	01:38:41	00:11:35	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	07:15:03	00:48:39	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	17:13:51	00:04:23	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	21:41:07	00:23:07	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि			तुला	28:57:08	00:01:57	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	उच्च राशि
राहु	व		तुला	07:07:04	00:11:14	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	07:07:04	00:11:14	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
हर्ष			मीन	15:48:46	00:02:34	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
नेप			कुंभ	10:31:57	00:02:14	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो			धनु	18:34:24	00:01:42	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
दशम भाव			कर्क	03:51:14	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:26

लग्न-चलित

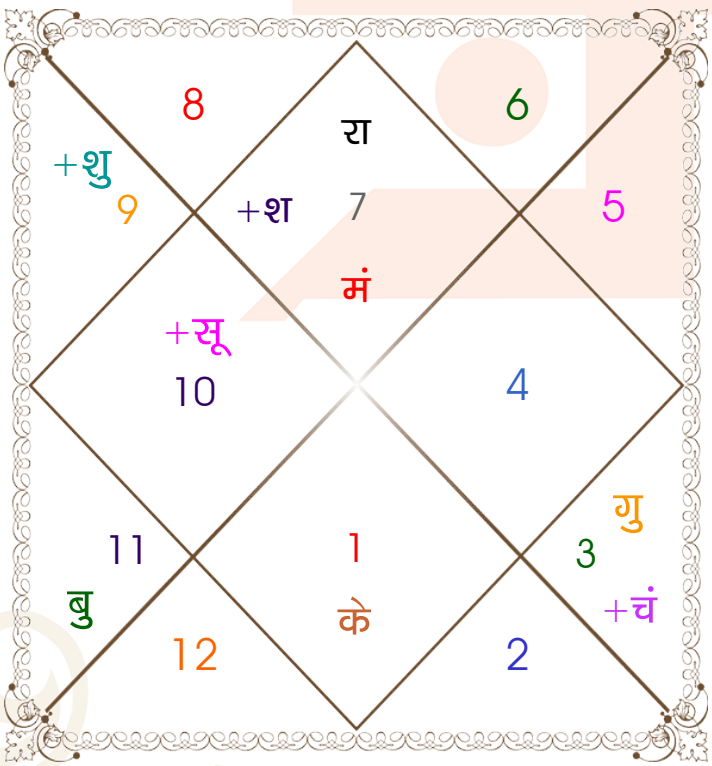

चन्द्र कुंडली

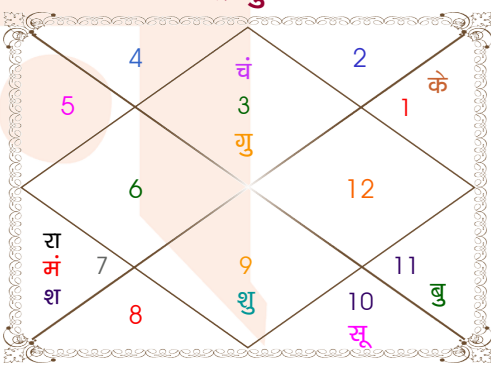

नवमांश कुंडली

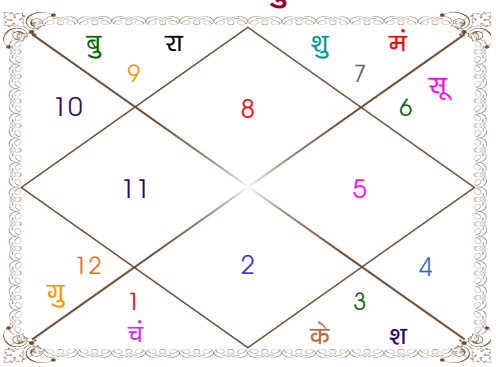

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 7 मास 19 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/02/2014		02/10/2026		01/10/2045		02/10/2062		01/10/2069	
02/10/2026		01/10/2045		02/10/2062		01/10/2069		01/10/2089	
	11/02/2014	शनि	04/10/2029	बुध	28/02/2048	केतु	28/02/2063	शुक्र	31/01/2073
शनि	02/06/2015	बुध	14/06/2032	केतु	24/02/2049	शुक्र	29/04/2064	सूर्य	31/01/2074
बुध	07/09/2017	केतु	23/07/2033	शुक्र	26/12/2051	सूर्य	04/09/2064	चंद्र	02/10/2075
केतु	14/08/2018	शुक्र	22/09/2036	सूर्य	01/11/2052	चंद्र	05/04/2065	मंगल	01/12/2076
शुक्र	14/04/2021	सूर्य	04/09/2037	चंद्र	02/04/2054	मंगल	01/09/2065	राहु	02/12/2079
सूर्य	31/01/2022	चंद्र	05/04/2039	मंगल	30/03/2055	राहु	19/09/2066	गुरु	02/08/2082
चंद्र	02/06/2023	मंगल	14/05/2040	राहु	17/10/2057	गुरु	26/08/2067	शनि	01/10/2085
मंगल	08/05/2024	राहु	21/03/2043	गुरु	23/01/2060	शनि	04/10/2068	बुध	01/08/2088
राहु	02/10/2026	गुरु	01/10/2045	शनि	02/10/2062	बुध	01/10/2069	केतु	01/10/2089

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/10/2089		02/10/2095		02/10/2105		02/10/2112		03/10/2130	
02/10/2095		02/10/2105		02/10/2112		03/10/2130		00/00/0000	
सूर्य	19/01/2090	चंद्र	01/08/2096	मंगल	01/03/2106	राहु	15/06/2115	गुरु	20/11/2132
चंद्र	21/07/2090	मंगल	02/03/2097	राहु	19/03/2107	गुरु	08/11/2117	शनि	12/02/2134
मंगल	25/11/2090	राहु	01/09/2098	गुरु	23/02/2108	शनि	14/09/2120		00/00/0000
राहु	20/10/2091	गुरु	01/01/2100	शनि	03/04/2109	बुध	03/04/2123		00/00/0000
गुरु	07/08/2092	शनि	03/08/2101	बुध	31/03/2110	केतु	21/04/2124		00/00/0000
शनि	20/07/2093	बुध	02/01/2103	केतु	27/08/2110	शुक्र	22/04/2127		00/00/0000
बुध	27/05/2094	केतु	03/08/2103	शुक्र	27/10/2111	सूर्य	15/03/2128		00/00/0000
केतु	02/10/2094	शुक्र	03/04/2105	सूर्य	03/03/2112	चंद्र	14/09/2129		00/00/0000
शुक्र	02/10/2095	सूर्य	02/10/2105	चंद्र	02/10/2112	मंगल	03/10/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 7 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।